This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6257**

Unique Paper Code : **210202** **E**

Name of the Paper : **Elements of Indian Philosophy–II**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : **II**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written *either* in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिंदी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt *five* questions in all.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Discuss how Kena Upanisad explains that we have an initial notion of Brahman in experience.

   विवेचन कीजिए कि कैनोपनिषद् कैसे व्याख्या करता है कि प्राप्त अनुभव से हमें ब्रह्म का प्रारंभिक विचार प्राप्त हो जाता है।

Or

(अथवा)

Elucidate the philosophical significance of the Yakṣa episode.

यक्ष-आख्यान के दार्शनिक महत्व को समझाइए।

2. Expound the nature of verbal testimony with special reference to the four conditions of meaningful sentence.

सार्थक वाक्य की चार दशाओं के विशेष संदर्भ में प्रमाण के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

Or

(अथवा)

Explain pūrva-mīmāṁsā doctrine of self validity of knowledge.

पूर्व-मीमांसा के स्वतः प्रमाण्यवाद सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

3. Explain the nature of Brahman according to Śaṁkara. How is it related to Jagat ?

शंकर के अनुसार ब्रह्म के स्वरूप की व्याख्या कीजिए। वह जगत से किस प्रकार संबंधित है ?

Or

(अथवा)

Explain Śaṁkara's concept of māyā in reference to khyativāda.

शंकर के ख्यातिवाद के सिद्धान्त के संदर्भ में माया की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

4. How does Rāmānuja refute the māyāvāda of Śaṁkara ? Explain.

रामानुज शंकर के मायावाद का खंडन किस प्रकार करते हैं ? व्याख्या कीजिए

Or

(अथवा)

Bring out the distinction between Advaita and Visistadvaita.

अद्वैतवाद और विशिष्टाद्वैतवाद की पारस्परिक भिन्नता दर्शाइए।

5. Write short notes on any *two* of the following :

(*a*) Explain Kāma as puruṣārtha

(*b*) Conditions for meaningful sentence

(*c*) Śaṁkara's nature of Mokṣa

(*d*) Akhyātivāda

(*e*) Nature of svarga according to Mīmāṁsa.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

(*a*) काम की पुरुषार्थ के रूप में व्याख्या कीजिए।

(*b*) सार्थक वाक्य की शर्तें

(*c*) मोक्ष शंकर के अनुसार

(*d*) अख्यातिवाद

(*e*) मीमांसा दर्शन के शब्दबौद्ध की अवधारणा।